मानव जीवन विकास समिति
वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
वर्ष 2013—14

xke fctkjh ikLV e>xok ftyk dVuh e-i-

Qku u- 07626&275223] 275232

E-mail:mjvskatni@gmail.com

website. www.mjvs.org.in

vuØef.kdk

Ø-	fo"k;	i"B Ø-
1-	दो शब्द /आभार	3
2-	संस्था का परिचय	4&5
3-	पृष्ठभूमि, विजन एवं मिशन	6
4-	उद्देश्य	6&7
5-	समिति के दस स्तम्भ	7&8
6-	कार्यक्षेत्र	8
7-	समिति की प्रमुख गतिविधियाँ	8*17
8-	समिति की अन्य गतिविधियां	17&20
9-	कायक्रमों की जानकारी	20&21

1- nk 'kCn ----------

गांव के छोटे किसान, दलित तथा आदिवासियों के सामाजिक, आर्थिक, नैतिक तथा राजनीतिक विकास की दृष्टि से मानव जीवन विकास समिति नामक सामाजिक संस्था का सन् 2000 में गठन किया गया। विगत चौदह वर्षों में संस्था ने अपने उद्धेश्यों को प्राप्त करने मे सराहनीय कार्य किया है। समाज में वंचितों तथा किसानों में आत्मविश्वास के साथ–साथ क्षमतावृद्धि भी हुई है। आम आदमी को हाशिये से निकालकर मुख्यधारा में जोड़ने के लिए संस्था ने अनवरत प्रयास किया है। मध्यप्रदेश के महाकौशल, बुन्देलखण्ड और बघेलखण्ड के बैगा, गोंड़, कोल, जनजाति के लोगों ने तथा दलितों और किसानों ने संस्था के प्रशिक्षण केन्द्र से सामुदायिक नेतृत्व का प्रशिक्षण प्राप्त कर परम्परागत खेती के कौशल का विकास किया है।

निर्भय भाई के नेतृत्व में नौजवान कार्यकर्त्ता साथियों ने अथक परिश्रम किया है जिसके कारण संस्था अपनी स्थापना के समय से निरन्तर उन्नति की ओर अग्रसर रही है। संस्था के सम्मानित सदस्यों, तथा कटनी शहर के पत्रकार, बुद्धिजीवियों एवं समाजिक कार्यो से जुड़े लोगों ने अपने महत्वपूर्ण सुझावों तथा निर्देशों से संस्था को आगे बढ़ाने में भरपूर सहयोग दिया है जिसके लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूँ।

मै आशा करता हूँ कि आने वाले समय में मानव जीवन विकास समिति वंचितों और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में सशक्त भूमिका निभायेगी जिससे भूखमुक्त और भयमुक्त समाज की रचना का सपना साकार हो सके।

jkt xkiky ih0gh0

v/;{k

2- vkHkkj

समिति का रजिस्ट्रेशन होने के बाद अपने सीमित संसाधनों के साथ केन्द्र के आसपास के गांवों मे जागरण व संगठनात्मक कार्य प्रारम्भ किया परन्तु इस कार्यकाल के दौरान ग्रामीण विकास प्रतिष्ठान के सहयोग से सतना, डिण्डौरी काकेर जिले के 5–5 गांवों मे वैकल्पिक कृषि व नर्सरी वृक्षारोपण आदि कार्यो को बढ़ावा देने लायक काम करते–करते समिति ने अपने काम को कटनी जिले में केन्द्रित करते हुए वर्तमान में महाकौशल क्षेत्र को अपना कार्यक्षेत्र बनाया जिसमें वर्तमान में कटनी डिण्डौरी मण्डला व बालाघाट जिले में सघन रुप से काम कर रही है।

मुझे आज खुशी हो रही है कि समिति अपने चौदह वर्षों के कार्य को अंजाम देते हुए इस मुकाम में पहुंची है कि जो रिपोर्ट आपके हाथ में है उन सभी कार्यो में समिति से जुड़े एक–एक कार्यकर्ता समिति के सम्मानीय सदस्य गणों का भरपूर सहयोग प्राप्त रहा है समिति को इस पड़ाव तक पहुंचाने में श्री राजगोपाल पी0व्ही0 (श्री राजा जी) का भरपूर आत्मीय आत्मबल प्रदान किया गया है। जिनका मै हृदय से आभारी हूँ। समिति को बनाने के बाद उसके उद्धेश्यों के प्रति जो काम करना चाहता था काफी हद तक मै पीछे दस वर्षो मे देखता हूँ तो आत्मशांति मिलती है कई लोगों की रोजी रोटी खड़ी हुई, लोग जाग्रत होकर अपनी समस्याएँ हल करवाने लगे मानव जीवन विकास समिति के इस केन्द्र को दुनिया के कई देशों के व्यक्तियों तक अपनी पहचान बनाई है, इस समस्त विरादरी एवं टायपिंग कार्य में राम किशोर, रवि, तरूनेश तथा हिसाब किताब कार्य में अभय कुमार को कोटी–कोटी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ ।

fuHk; flag

lfpo

3- lLFkk dk ifjp; %&

महाकौशल अंचल के पिछड़ी जनजाति बैगा एवं अन्य समुदाय के जीवन व भोजन के लिए परियोजना के उद्वेश्य से भूमि आधारित अर्थव्यवस्था को विकसित करने हेतु परियोजना का संचालन द्वारा संचालित किया गया है। समुदाय के मध्य जीविकोपार्जन के संसाधन जल, जंगल और जमीन पर लोगो के परम्परागत अधिकार की पुनर्स्थापना के जमीनी स्तर पर प्रेरक कार्यो को मजबूत बनाने के लिए व्यापक रूप से शासन एवं प्रशासन स्तर मे दबाव बनाने हेतु रचनात्मक कार्य करने का मुख्य उद्वेश्य रहा है वनाधिकार अधिनियम को कार्यक्षेत्र मे लागू कराने हेतु पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रशासन के साथ संवाद स्थापित कर दबाव बनाना एवं साथ ही नेतृत्व क्षमता का विकास करने हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण एवं सम्मेलन, एक्सपोजर विजिट जैसे कार्यक्रम का आयोजन करना तथा समुदाय के अर्थव्यवस्था को विकसित करने हेतु स्वसहायता समूह, परस्पर सहयोग समूह को बैंक से जोड़कर बैंको से सहायता प्राप्त कर आर्थिक कार्यक्रम चलाना भूमि सुधार, जलसंरक्षण ग्रामीण अर्थव्यवस्था की पुनः संरचना परियोजना आधारित कार्य दस्तावेजीकरण एवं जनवकालत कार्यक्रम संचालित कर समुदाय के जीवन स्तर को सुद्वढ़ बनाने के लिये कार्यक्षेत्र मे जमीनी स्तर पर प्रेरक के रूप मे कार्य किया गया है।

Vfuax lUVj %& संस्था के पास 30 एकड़ भूमि है। इसी भूमि पर संस्था का कार्यालय 2 कमरों पर है, प्रशिक्षण हाल है जिसमे लगभग 200 लोगों को बैठाकर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, एक छोटा प्रशिक्षण हाल है जिसमे 30 लोगों को बैठका प्रशिक्षण दिया सकता है, अतिथि भवन जिसमे 4 कमरे अटैच है, आवासीय भवन 2 बड़े हाल है जिसमे 100 लोगों को रूकाया जा सकता है एवं 5 छोटे कमरे जिसमे 50 लोगों को रूकाया जा सकता है, किचिन के बाजू से टीन सेड बना है जिसमे 200 से 250 लोगों को बैठाकर भोजन कराया जा सकता है तथा किचिन कक्ष भी उपलब्ध है, स्टॉफ रूम तथा महिला रूम अलग से है ।

ekuo thou fodkl lfefr e miyC/k lqfo/kk;				
d	lk/ku	l[;k	llk/ku	fooj.k
1	आवासीय	1	हाल 60X20 फीट	150 लोगों के बैठने की क्षमता दरी बिछाकर
		2	गेस्ट रूम	2 रूम अटैच 4 लोगों की क्षमता
		3	कमरा	7 रूम एक कमरे मे 17 लोगों की क्षमता
		4	डेमोटरी महिला	20 लोगों की क्षमता अटैच
		5	डेमोटरी पुरूष	20 लोगों की क्षमता अटैच
		6	लैट्रिंग बाथरूम	अटैच कमरों को छोड़कर बाहर

				लैट्रिंग रूम–8, बाथरूम–8
		7	ज्ञानमंदिर	10 लोगों की सोने की क्षमता व 20 लोगों की बैठक व्यवस्था
		8	एलवेस्टर सेड	30 बाई 60 फिट
2	आवसीय व्यवस्था	1	गद्दा रजाई सेट	150 नग
		2	सिनटेक्स टंकियां	5 नग
		3	ट्यूबवैल	1 नग
		4	कुंआ	2 नग मोटर सेट के साथ
		5	जनरेटर	1 नग
		6	दरी	15 नग छोटी बड़ी सहित
3	भोजन व्यवस्था		खाना बनाने, बर्तन के साथ परछाई मे बैठकर खाने की सुविधा 150 लोगों के	
4	आफिस सेक्टर	1	डिस्कटॉप कम्प्यूटर	6
		2	प्रिंटर	2
		3	लैपटॉप	2
		4	स्कैनर	1
		5	टेबिल कुर्सी	10 सेट
		6	अलमारी	4 नग
		7	इंटरनेट सुविधा	
		8	इनवर्टर सुविधा	
		9	कुर्सी फाईवर	26
		10	कुर्सी तांत वाली (बुनाई वाली)	7
		11	कुर्सी लोहे वाली	1
		12	कुर्सी लकड़ी वाली	2
		13	कुर्सी व्हील	2
		14	कुर्सी कम्प्यूटर वाली	3
		15	BSNL&AIRTEL मोबाईल की कनेक्टिविटी उपलब्ध	
5	आवागमन के साधन	1	मोटर साईकिल	2
		2	साईकिल	6
		3	टेम्पोट्रेवल्स	1
		4	ट्रेक्टर ट्राली सहित	1

4- i"BHkfe &

मध्य प्रदेश की उत्तरी पूर्वी दिशा में जबलपुर सम्भाग का कटनी जिला बुन्देलखण्ड, बधेलखण्ड या महाकौशल क्षेत्र के अर्न्तगत आता है। जिले का प्रमुख भाग सोन तथा महानदी के कछार मे है। टमस नदी का उद्‌गम स्थल कैमोर की पहाडियों तथा विध्यांचल की पहाडियों से घिरा यह क्षेत्र शुष्क पतझड़ वाले वनों से आच्छादित है। इस क्षेत्र मे विंध्य शैल समूह की चटटानें पाई जाती हैं। यहाँ बॉक्साइट, चूने तथा सीमेन्ट का पत्थर और संगमरमर का यहाँ प्रचुर भण्डार हैं। सोन तथा महानदी के कछार की रेत का व्यापार बडी मात्रा में किया जाता है। बघेलखण्ड के क्षेत्र में मुख्य रुप से कोल, गोंड, भूमिया, बैगा तथा आदिवासी जातिया रहती हैं। पूरे क्षेत्र में लगभग 40 प्रतिशत कोल आदिवासियों का निवास है इसलिए इसे आदिवासी क्षेत्र माना जाता है। इनके अतिरिक्त सामान्य, दलित एवं पिछडा वर्ग के भी लोग निवास करते हैं।

पठारी तथा आदिवासी क्षेत्र होने के बावजूद यहॉ पारम्परिक तरीके से खेती नहीं की जाती। रासायनिक खाद तथा कीटनाशक रासायनों का उपयोग अधिक किया जाता है। यह क्षेत्र गेहूॅं, चना, मसूर तथा दलहनों के उत्पादन के लिए प्रसिद्व रहा है। कोयले की खदानों के कारण सब्जियों का उत्पादन भी प्रचुर मात्रा मे होता है। जिले की सीमा पर बाणसागर बॉध बनने के कारण यहॉ की खेती और वनों पर इसका विपरीत प्रभाव हुआ है। पास के जिले उमरिया में टाइगर प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बॉधवगढ राष्ट्रीय अभ्यारण्य बनाया गया है जिसके कारण वन में रहने वाले आदिवासियों का जीवन प्रभावित हुआ है। इस क्षेत्र से लगे हुए वनों में किसी समय सफेद शेर पाये जाते थे । साल, सागौन , हर्रा तथा तेंदू यहाँ की मुख्य वनोपज है।

सामाजिक कुरीतियों तथा परम्परागत रुढियों से आज भी समाज मुक्त नही हुआ है। सामाजिक दृष्टि से महिलाओं और बच्चें। की स्थिति शोचनीय है। बाल मजदूरी तथा महिलाओं द्वारा खेतिहर मजदूरी जीविका का साधन है। लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर है। शिक्षा का अभाव है तथा उसके प्रति जागरुकता भी नहीं है। महाकौशल क्षेत्र भौगोलिक रूप से जंगली, उबड़—खाबड़, पहाड़ी इलाका है, जिससे यहां की आजीविका वन उपज और वर्षा आधारित खेती पर निर्भर बैगा समुदाय जिन्हें राष्ट्रीय मानव का दर्जा प्राप्त है वह बैगा बाहुल्य क्षेत्र आज विलुप्त होने के कगार पर है।

5- & l LFkk dk fotu ,o fe'ku &

nf"V (Vision) : — गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन पर क्षमता वृद्दि कर जीवकोपार्जन के साधन खडे करना ।

y{; (Mission) : — प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन को सुचारू रूप से संचालित कर गरीबी उन्मूलन की दिशा मे आगे बढ़ना जिससे समाज मे स्वच्छता, रचनात्मक कार्यों की क्षमता का विकास हो। स्वरोजगार की दिशा मे प्रशिक्षित होकर स्वांलम्बी समाज का निर्माण करना ।

6- m)s';%& ¼lfefr fuEu m)s';ks ij dk;Z djrh g½

- प्रशिक्षण — (जैविक कृषि, वृक्षारोपण, नर्सरी एवं जड़ी बूटियों का संग्रह एवं संवर्धन का क्षेत्र में प्रचार प्रसार ।
- वन अधिकार अधिनियम। वनवासियों को वन तथा वनोपज के लिये उचित अधिकार दिलाना।
- पंचायतीराज मे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम। समाज में महिलाओं को सम्मान तथा अधिकार दिलवाने के लिये शिक्षा तथा ज्ञान का प्रचार प्रसार कर उनकी समझ विकसित करना।
- शिक्षा (एक घुमक्कड़ जनजाति के बच्चों का स्कूल) बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रयास करना।

- स्वास्थ्य (जिला स्वास्थ्य विभाग से मान्यता प्राप्त) ब्लॉक एम.जी.सी.ए. सदस्य के रूप मे कार्य कर रहे है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में परस्पर सहयोग की भावना से समूहों का निर्माण कर संचालन व प्रशिक्षण के प्रयास करना । (स्व–सहायता समूहें का निर्माण एवं संचालन)
- संगठनात्मक बैठक।
- रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण (NCVT) से मान्यता प्राप्त ।
- स्थानीय संसाधनों पर लोगों का अधिकार एवं प्रबन्धन।
- विलेज टूरिज्म।
- जनअभियान परिषद् के नवांकुर योजना के तहत् बने ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित करना।
- सोलर ड्रायर एवं सोलर कुकर के माध्यम से समूहों को प्रशिक्षण।
- सामाजिक कल्याण के लिये अन्याय एवं शोषण के विरूद्ध लोक चेतना जागृत करना।
- पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त कर उसके संरक्षण के प्रयास करना।
- स्थानीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण एवं अभिवृद्धि।
- रचनात्मक कार्यों की सहायता से समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य करना।
- शिक्षण और प्रशिक्षण के द्वारा युवाओं की आजीविका सम्बन्धी समस्यायों के समाधान का प्रयास करना।
- समाज में गांधी विचार का प्रचार प्रसार कर शांति, अहिंसा और प्रेम की भावना जागृत करना।
- गावों में एकजुटता की भावना लाकर सत्य अहिंसा पर आधारित समाज निर्माण हेतु सार्थक पहल कराना ।

7- *lfefr d: nl LrEHk &*

- *gekjk vkfFkd &*परावलम्बी समाज से स्वावलम्बी समाज निर्माण के सिद्धान्त पर चलते हुए प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन पर आधारित अहिंसक समाज रचना में लगे समुदाय का निर्माण ताकि भूखमुक्त समाज की रचना हो सके।
- *gekjh jktuhfrd* – लोक आधारित लोक उम्मीदबार के सिद्धान्त पर लोकनीति के अनुसार चलने के लिए लोगों को खड़ा करना ताकि सही अर्थो में लोकतंत्र की स्थापना की जा सके।
- *gekjh f'k{kk &* समग्र विकास पर आधारित ज्ञान का प्रचार प्रसार एवं स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ रोजगारोन्मुखी शिक्षा देना ताकि बेरोजगारी की समस्या का उन्हे सामना न करना पड़े।
- *gekjk lekt*–अखण्डता,सम्प्रभुता,समभाव परस्पर भाईचाारे के साथ–साथ एकता,समानता, सामूहिकता एवं न्याय पर आधारित समाज जिसमें ऊंच–नीच, अगड़े–पिछड़े जाति आधारित भेदभाव न हो।
- *gekjh lLdfr &* स्थानीय लोक कला एवं संस्कृति के कलाकारों को संगठित कर पुनर्जीवित करना उनका संवर्धन एवं संरक्षण कर वातावरण उपलब्ध करवाना।
- *gekjh df"k &*लम्बे समय तक भूमि की उत्पादन क्षमता बनाये रखने वाली खेती को प्रोत्साहन देकर पारम्परिक ढ़ग से खेती कर रहे किसानों का उत्साह बढ़ाना ताकि वे कृषि की रीति नीति का विकास कर सके।
- *gekjk l'kDrhdj.k &* गरीबी झेल रहे दीन दुःखी जो अपाहिजों जैसा जीवन जीने के लिऐ विवश हैं। समाज में विद्यमान ऐसे स्त्री पुरूषों के प्रति असमानता और उपेक्षा को दूर कर समानता का दर्जा दिलवा कर शोषण, अत्याचार एवं भ्रष्टाचार से मुक्त सशक्त सामाजिक ढ़ांचे का निर्माण करना।

❖ *gekjk ifjos'k &* स्वच्छ व स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना जहाँ हिंसा, लूटपाट, वैमनस्यता, दुराचार तथा तेरे मेरे लिए कोई स्थान न हो।

❖ *gekjk lg;kx ,o fe=rk &* परस्पर सहयोग की भावना को पुनर्जीवित कर एक दूसरे की सहायता व मित्रता को बढ़ावा देना ताकि पूरा गांव और समाज अपनी समस्याऐं आपसी सहयोग व मित्रता के आधार पर सुलझा सकें।

❖ *gekjh laLFkk &* उपरोक्त विचारों के क्रियान्वयन के लिऐ तथा समाज कल्याण के काम का विकास करने में संस्था एक मजबूत आधार स्तम्भ है।

8- dk;Z{ks=

Ø-	ftyk	Cykd	Xkko
1	कटनी	बड़वारा	116
		ढ़ीमरखेड़ा	15
2	डिण्डौरी	समनापुर	40
		बजाग	20
3	मण्डला	बिछिया	10
		मवई	10
4	बालाघाट	बैहर	30
		लांझी	20
5	उमरिया	मानपुर	03
6	रायसेन	ओबेदुल्लागंज	03
dqy	6	11	267

उपरोक्त कार्यक्षेत्र के अलावा स्कॉलरशिप, एकता लोक कलां मंच, भूमि अधिकार अभियान शोध, नेशनल एडवोकेसी एवं नेटवर्किंग, स्थानीय प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन आदि विषयों पर भी संस्था कार्यकर्ताओं के द्वारा काम कर रही है ।

9 - lfefr dh izeq[k xfrfof/k;k¡ & izkd`frd lalk/ku izcU/ku& प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन की दृष्टि से भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, स्वच्छता एवं कचरा प्रबन्धन, वर्मी कम्पोस्ट , जैविक कृषि, नर्सरी, कम्पोस्टपिट, वृक्षारोपण, जड़ीबूटी संग्रह एवं संवर्धन तथा के कार्य किये गये।

1-1 & Hkwfe izcU/ku & संस्था के पास 30 एकड़ भूमि है जो चारों ओर फेसिंग तथा 1500 सागौन के पेड़ो से घिरी है। 27 एकड़ भूमि में निम्नानुसार व्यवस्था की गयी है :–

➢ 10 एकड़ भूमि में जैविक कृषि की जाती है, जिसमें फसलों के अनुसार गेहूँ, धान, कोदो, चना, जौ उगाया जाता है। सब्जियों में आलू, टमाटर, बैगन, बरबटी, लौकी, प्याज, हल्दी, शलजम, गाजर, मूली, खीरा, पपीता तथा अन्य मौसमी सब्जियां उगायी जाती हैं।

➢ वर्मी कल्चर के लिए तीन पिट क्रमशः सिंगल पिट, डबल पिट तथा 4 पिट बनवाए गए हैं। ये पिट 12.2 तथा 2.5 फिट के अनुपात में है।

➢ नाडेप कम्पोस्ट के लिए 5,10,15 फिट के दो पिट बनवाए गये हैं।

➢ 2 चीकू, 15 जामुन, 20 सिल्वर ओक, 2 महुआ के पेड़ हैं।

- 5 एकड़ भूमि में सन् 2000 में अध्यक्ष राजगोपाल पी0 व्ही0 के प्रोत्साहन पर जनसहयोग से श्रमदान कर एक एकड़ में तालाब बनाया गया तथा 150 बांस के पौधे लगवाए गए, जिनकी संख्या आज बढ़कर 10,000 हो गई है। इसके अतिरिक्त नीम, पलाश, पीपल, बेर, कनेर, सागौन तथा मोजियन के पौधे लगाए हैं जो आज पूर्ण विकसित होकर लहलहा रहे हैं।

1-2 & LoPNrk ,oa dpjk izcU/ku %&

गाँधी जी के दैनिक कार्यक्रमों में सफाई अति आवश्यक कार्य था। उन्हीं आदर्शो का पालन करते हुए संस्था गॉवों में शिविर का आयोजन कर सफाई प्रशिक्षण देने का कार्य करती है। कचरा तथा गोबर गड्ढ़ों में डलवाकर सफाई तथा खाद बनाने की प्रक्रिया समझाई जाती है। कचरे का प्रबन्धन आज विश्व के सभी देशों में एक बड़ी समस्या है। संस्था अपने क्षेत्र के सभी गॉवों में प्रतिवर्ष सफाई अभियान चलाते है।

- संस्था अपने कार्यक्षेत्र के गॉवों में अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में सफाई तथा कचरा प्रबन्धन प्रशिक्षण का आयोजन करती है।
- कचरे के प्रबन्धन के लिए लोगों को नाडेप पिट बनाकर उसमें कचरा डालने के लिए समझाया जाता है।

1-3 & tSfod df"k dk c<+kok nuk – जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से बताया जाता है कि आपको जैविक खाद का प्रयोग करना है जिससे देखा जाता है कि भाासकीय खाद के प्रयोग से कही ज्यादा उपज जैविक खाद के प्रयोग से होती है। आपको कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट का खाद आसान तरीके से प्राप्त हो जायेगी जिसके माध्यम से आप अधिक से अधिक उपज प्राप्त कर सकते है। तो आपको प्रशिक्षण से जाते ही जैविक कशि को अपनाना है ।

- *fl>kjk&* जैविक कृषि को बढ़ावा देन के लिये कम्पोस्टपिट बनाया गया तथा वृक्षारोपड़ के लिये पौधों की नर्सरी तैयार की गई ।
- *fct kjh&* संस्था के केन्द्र स्थल पर जैविक कृषि के अन्तर्गत धान और गेहूँ की खेती की गई। इसके अतिरिक्त अरबी, लौकी, आलू, प्याज, अदरक, मिर्च तथा हल्दी लगाई गई जिनका विवरण निम्नानुसार है तथा इसके अलावा वर्मीकम्पोस्ट, कम्पोस्ट, नर्सरी, वृक्षारोपड़ किया गया।

Qly mRiknu fooj.k

Ø-	*Qly*	*cht*	*mRiknu*	*Ø-*	*Qly*	*cht*	*mRiknu*
1	धान	3 क्वि. 60 किलो	139 क्वि. 44 किलो	*13*	लौकी	500 ग्राम	10 क्वि.
2	गेहूँ	11 क्वि. 56 किलो	58 क्वि. 26 किलो	*14*	प्याज	500 ग्राम	50 क्वि.
3	सरसों	2 किलो	1 क्वि.	*15*	मिर्ची	50 ग्राम	20 किलो
4	बटरी	36 किलो	1 क्वि. 24 किलो	*16*	आलू	20 किलो	60 किलो
5	चना	6 किलो	8 किलो	*17*	अदरक	5 किलो	25 किलो
6	जबा	80 किलो	2 क्वि. 28 किलो	*18*	हल्दी	5 किलो	30 किलो
7	टमाटर	50 ग्राम	3 क्वि.	*19*	ककड़ी	250 ग्राम	15 क्वि.
8	मेथी	40 ग्राम	30 किलो	*20*	करेला	220 ग्राम	1 क्वि.
9	मटर	20 ग्राम	50 किलो	*21*	भिण्डी	500 ग्राम	50 किलो

10	धनिया	1 किलो	70 किलो	22	गाजर	50 ग्राम	35 किलो
11	मूली	100 ग्राम	2 क्वि.	23	चुकन्दर	50 ग्राम	60 किलो
12	बैगन	40 ग्राम	1 क्वि.				

1-4 & Ok{kkjksi.k & वृक्षारोपण की दृष्टि से सागौन, खम्हेर, कटंगा बांस, ग्लिरीसीडिया, करंज, आवला, आम, कटहल, काजू, नींबू, स्वर्णलता, अमरूद, अर्जुन, केसिया सेमिया, बकायन, कचनार, मीठी नीम, नीम, पपीता, जामुन इत्यादि पौधे लगाये गये जो निम्नानुसार है –

क्रं.	*itkfr*	*l[;k*	*Ø-*	*itkfr*	*l[;k*
1.	सागौन	50	14	अकेसिया सेमिया	35
2	खम्हेर	125	15	कचनार	10
3	कटंगा बांस	150	16	मीठी नीम	50
4	ग्लिरीसीडिया	25	17	नीम	10
5	करंज	500	18	बकायन नीम	35
6	आंवला	250	19	पपीता	10
7	आम	10	20	जामुन	10
8	कटहल	5	21	सहतूत	15
9	काजू	1	22	गुलमोहर	25
10	नींबू	10	23	बबूल	25
11	स्वर्णलता (क्रोटन)	15	24	जामुन	10
12	अमरूद	25	25	लिपटस	30
13	अर्जुन	10			
कुल 25 प्रजाति के 1441 पौधों का रोपण किया गया					

1-5 & tMh cVh lxg ,o lo/ku

Ø-	*itkfr*	*l[;k*	*Ø-*	*itkfr*	*l[;k*	*Ø-*	*itkfr*	*l[;k*
1	सफेद मूसली	200	19	काटन प्लांट	1	37	धतूरा	1
2	काली मूसली	10	20	बकायन	2	38	गुगुल	1
3	अश्वगंधा	5	21	कालेश्वर	3	39	चमेली	3
4	हरजोड़	50	22	चित्रक	3	40	दमनक	1
5	सर्पगंधा	2	23	गुंजा सफेद	1	41	बज्रकंद	200
6	गुणमार	5	24	गुंजा लाल	25	42	अंजीर	5
7	चक्रमर्द	25	25	गुलवकावली	150	43	मिनी आंवला	2
8	ध्रतकुमारी	200	26	शंखपुष्पी	300	44	नीलगिरि	200
9	पारस पीपर	2	27	आंवला	500	45	जासून	25
10	शीकाकाई	10	28	बहेड़ा	150	46	करबीर	10
11	अनार	2	29	हड़र	5	47	धाय	2
12	पारीजात	1	30	पपीता	100	48	नागवला	5
13	रामकंद	25	31	कालमेघ	10	49	वला	5
14	लाजवंती	150	32	अडूसा (वासा)	10	50	लेमनग्रास	500
15	लेड़ी पीपर	50	33	नीम	50	51	पलास	50
16	सुदर्शन	25	34	सतावर	1	52	आक	3
17	केशव कंद	10	35	सेमलकंद	4	53	स्वर्ण भूषण	5
18	करंज	150	36	निर्गुंडी	5	54	कलिहारी	5
VkVy & 53 itkfr dh 3265 ik/k jkfir fd; x;								

दुर्लभ जड़ीबूटी कलिहारी जिसे बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसका उपयोग यदि कील या धातु जैसे सुई पैर में चुभ जाता है तो कलिहारी कन्द को घिसकर लगा देने से कील या सुई बाहर निकल आती है एवं दर्द दूर हो हो जाता है तथा सुखपूर्वक प्रसव होने में भी सहायक होता है।

1-6 & LokLF; ikcU/ku %&

क्षेत्र के लोंगो को स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से संस्था ने 1 वैद्य की व्यवस्था की है जो गाँव–गाँव घूमकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाते हैं। उपचार के लिए जड़ी बूटियों का उपयोग किया जाता है। कई असाध्य रोग भी उनके उपचार से ठीक हो गये हैं। क्षेत्र में श्वास तथा पेट सम्बन्धी शिकायतें अधिक है। शिक्षा के अभाव के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी चेतना का क्षेत्र में अभाव है। स्वास्थ्य प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल मनुष्यों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देते हुए लोगों को स्वास्थ्य के सम्बन्ध मे जानकारी दी गई।

fLoVtjy.M ls vk, Mk0 ,fyd ने क्षेत्र के गांवों के लोगों को अपने घर पर किया जाने वाला प्राथमिक उपचार के सम्बन्ध मे जानकारी दी साथ ही जगह – जगह पर एक पुस्तक भी लगाई है जिसमे प्राथमिक उपचार के सम्बन्ध मे छोटी–छोटी जानकारियां दी गई है उस पुस्तक का शीर्षक है जहां डाक्टर न हो । इस पुस्तक का नाम पढ़ते ही लोगों मे जागरूकता आ गई कि अब हम बिना डाक्टर के ईलाज कर सकते है ऐसा एहसास हुआ लोग उस पुस्तक को पढ़कर चकित रह गये और पुस्तक मे दी जानकारी अनुसार कई लोग स्वयं से ईलाज करने लगे। अब स्वास्थ्य मे सुधार हुआ है। एड्स से बचने एवं परिवार नियोजन के सम्बन्ध मे बड़वारा ब्लॉक के लगभग 20 गांव मे विजिट कर जानकारी दी ।

मानव जीवन विकास समिति *jkT; LokLF; lxBu dk lnL; ,o ,e-th-lh-,- lnL;* है जो कि समिति की तरफ से *jkefd'kkj jnkl* को कार्य देखने के लिए नियुक्त किया गया है जो कि बड़वारा ब्लॉक के 20 पंचायतों मे फील्ड विजिट कर उप स्वास्थ केन्द्र एवं अरोग्य केन्द्रों की सुविधाओं को बढ़ाने एवं लोगों को केन्द्रों के प्रति जागृत करने का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राम स्वास्थ समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर गांव की स्वास्थ सम्बन्धी समस्याओं का आंकलन कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला स्वास्थ्य केन्द्र से सम्पर्क कर लोगों को उपचार हेतु पहुचाया जाता है एवं लाभ दिलाया जाता है।

LokLF; ¼ftyk LokLF; foHkkx ls ekU;rk ikIr½ Cykd ,e-th-lh-,- –

- ✓ *LokLFk tkx:drk dk;Øe &*

मानव जीवन विकास समिति ब्लॉक स्तर पर बनी स्वास्थ कमेटी मे ब्लॉक एम.जी.सी.ए. सदस्य भी है जिसमे की समय–समय पर स्वास्थ जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से गांव–गांव मे स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी डाक्टरों के सहयोग से दिया जाता है । यह भी है कि ग्रामीण क्षेत्र मे प्रत्येक गांव मे एक आशा की नियुक्ति की गई है वह आशा आंगनवाड़ी सह–ग्राम अरोग्य केन्द्र मे बैठती है तथा उस केन्द्र नार्मल मे छोटी–छोटी बीमारियों की दवाईया रहती है जो की आशा के द्वारा वितरण एवं जांच किया जाता है । गांव मे ग्राम सभा स्वस्थ ग्राम तदर्थ समिति भी बनी है यह समिति के सहयोग से गांव मे स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी मिलती रहती है समिति हर समय गांव का निरीक्षण करती रहती है। मानव जीवन विकास समिति के द्वारा गांव–गांव मे बैठकें, संगोष्ठियां की आयोजित की जाती है इसके दौरान गांव मे बीमार व्यक्तियों की पहचान कर शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।

इसके पहले देखा जाता था कि पहुतायत संख्या मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर बढ़ती ही जा रही थी लेकिन वर्तमान मे कमी आयी है । संस्थाऐं ब्लॉक एम.जी.सी.ए. होने के नाते फील्ड विजिट कर अरोग्य केन्द्र को व्यवस्थित कराता है तथा गांव मे बनी ग्राम सभा स्वस्थ ग्राम तदर्थ समिति के साथ बैठक कर गांव की जानकारी ली जाती है फिर गर्भवती माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ की जानकारी को

लेकर गंभीर अवस्था मे पायी गई महिलाओं एवं बच्चों को अस्पताल तक पहुंचाने एवं शासकीय योजनाओं से ओत प्रोत कर लाभ दिलाने का काम संस्थाऐं कर रही है।

jk"Vªh; xzkeh.k LokLF; fe'ku] gekjk LOkkLF;&gekjk nkf;Ro@lcl.k LokLF; lcdk fy, dk;Øe

समुदाय आगे आये, अपनी भागीदारी निभाये, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं तक अपनी पहुंच बनाये और इस प्रकार माताओं और बच्चों को अकाल मौत से बचाये, उन्हें हंसता खेलता और हष्ट–पुष्ट बनाये। इन्ही उद्देश्यों के लिये सन् 2005 से देश भर में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन शुरू किया गया है। हमारे मध्यप्रदेश में तीन मुख्य उद्देश्यों को लेकर राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्य कर रहा है :–

1. मातृ मृत्यु यानि कि प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद होने वाली माताओं की मौत को कम करके 225 प्रति एक लाख तक लाना।
2. शिशु मृत्यु यानि कि जन्म से 1 साल तक बच्चों में होने वाली मौत को 50 प्रति हजार जन्म करना।
3. कुल प्रजनन दर 3.1 से घटा कर 2.1 लाना।

1-7 & eknd inkFkZ fojk/kh vfHk;ku %&

अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह को नशामुक्ति के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। मानव जीवन विकास समिति ने गाँधी जी के जन्म दिन 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक पूरे सप्ताह को जागरूकता अभियान की तरह संस्था द्वारा मनाया जाता है ।

महात्मा गाँधी के सपनों के भारत में मादक पदार्थो के लिए कोई स्थान नहीं था। प्रतिवर्ष मई माह के 31 तारीख को नशामुक्ति अभियान के रूप मे मनाया जाता है इस दिन जागरूकता रथ के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण लोगों को जागृत करने का काम किया जाता है ।

पोस्टर, पर्चे, नुक्कड़, सभाऐ, नशामुक्ति गीत–गाने ढ़ोल मंजीरे से गाकर लोगों जागृत करने का काम किया जाता है। महिलाएं इस आयोजन से अधिक उत्साहित थीं क्योंकि परिवार में किया जा रहा नशा महिलाओं को ही भुगतना पड़ता है। बुजुर्गो ने भी सहयोग दिया।

1-8 & Ldwy dk lapkyu %&

शिक्षा (एक घुमक्कड़ जनजाति के बच्चों का स्कूल) बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रयास करना।

बड़वारा ब्लॉक के अन्तर्गत मदारी टोला में संस्था द्वारा स्कूल का संचालन किया गया जो संस्था द्वारा एक शिक्षिका का मानदेय देकर बच्चों की पढ़ाई का कार्य किया जाता रहा है अब वह सरकारी स्कूल हो गया है जहां पर सरकारी शिक्षक भी है जिसमें 97 बच्चे अध्ययनरत है। इसी के साथ–साथ रानीदुर्गावती स्कूल के नाम से संचालित सिझौरा, जिला मण्डला में आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया जिसमें स्कूल बनाने व एक शिक्षिका को आर्थिक मदद दी गई जिसमें 105 बच्चे अध्ययनरत है। नैतिक शिक्षा के साथ–साथ व्यावहारिक शिक्षा भी को दी जाती है जिससे अब उनके रहन–सहन मे परिवर्तन आ गया है।

1-9 & dkS'ky mUu;u] jkstxkjksUeq[kh izf'k{k.k **(NCVT)** *Je ea=ky; Hkkjr ljdkj ls ekU;rk izkIr &* ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमे से कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण (फैशन डिजाईनिंग), बेसिक इलेक्ट्रिक, बेसिक ब्यूटि एण्ड हेयर ड्रेसिंग, टी–स्टाल वेन्डर, ड्राईवर कम्प्यून जैसे प्रशिक्षणों का आयोजन किया जा रहा हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोग प्रशिक्षित होकर रोजगार को प्राप्त करते हैं।

सत्र 2013–14 मे कम्प्यूटर प्रशिक्षण के दो बैच मे 55 प्रशिक्षणार्थियों प्रशिक्षण प्राप्त किये, सिलाई प्रशिक्षण (फैशन डिजाईनिंग) के एक बैच मे 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किये है, बेसिक ब्यूटि एण्ड हेयर ड्रेसिंग मे 20 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी है। अतः आगे भी सत्र संचालित है।

1-10 & lxBukRed cBd&

ज्ञात हो कि मानव जीवन विकास समिति के तत्वाधान में चार दिवसीय युवा शिविर बिजौरी में आयोजित किया गया । इस शिविर का उद्‌घाटन करते हुए श्री राजगोपाल जी ने कहा कि शोषित और पीड़ित समाज से भय का वातावरण मिटाकर उनकी ताकत को आवाज देना चाहिए जिससे कि हिंसामुक्त समाज और जीवन को साकार किया जा सके। शिविर के मुख्य अतिथि बैगा आदिवासी समाज के मुखिया डिंडौरी के दामी तितराही गावं के श्री नान्हू बैगा ने कहा कि 15 वर्ष पूर्व बैगा मुक्ति अभियान मानव जीवन विकास समिति के द्वारा प्रारंभ किया गया था जिसका सकारात्मक परिणाम अब दिखने लगा है अहिंसात्मक आंदोलन करते हुए कई गावों में बैगा और गोड आदिवासीयों को भूमि का अधिकार हासिल हुआ है।

शिविर में पधारे इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विकास अध्ययन केन्द्र के प्रोफेसर श्री प्रदीप शर्मा ने कहा कि आजीविका और भूमि अधिकार के संदर्भ में वैश्वीकरण दबाव बढ़ रहा है और इसके प्रभाव को मजबूत संगठनात्मक ढांचे और अहिंसात्मक आंदोलन से ही कम किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल से आये श्री अजय चौधरी ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर मानव जीवन विकास समिति की अंहिसात्मक आंदोलन की रणनीति से सीखने वाले संगठनों में रूचि बढ रही है। इसी तरह से इंटरनेशनल इनिशिएटिव की संयोजक श्रीमती जिल कार हैरिस ने कहा कि बहुत सारे देशों में भूमि का संघर्ष चल रहा है जो मानव जीवन विकास समिति के आंदोलन से सीखना चाहते है। जलाधिकार अभियान मध्यप्रदेश के अनिल भाई ने कहा कि भूमि अधिकार आंदोलन और अभियान के बाद अब जलाधिकार अभियान के संचालन का उद्‌देश्य वंचित वर्ग तक पीने के पानी और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की पहुॅच सुनिश्चित कराना है जिससे कि भूमि को आजीविका के साथ जोड़ा जा सके। जनपैरवी के श्री अनीष कुमार ने कहा कि जनसत्याग्रह के बाद हुई सफलताओं को क्रमवार रखा। वरिष्ठ पत्रकार श्री नंदलाल सिंह ने कहा कि भूमि सुधार से ही गरीबी उन्मूलन और हिसां से मुक्त गावं का निर्माण किया जा सकता है। शिविर में जनसत्याग्रह आंदोलन के दौरान शहीद हुए महाकौशल क्षेत्र के तीन बैगाओं के आश्रितों श्रीमती नानकुनिया बाई, श्रीमती बुरनी बाई और श्रीमती छुम्मन बाई को 50–50 हजार रूपये की सहायता राशि दी गयी। इनका परिचय महाकौशल की संयोजिका श्रीमती शोभा तिवारी ने दिया।

शिविर पर एक वीडियो फिल्म नासिक महाराष्ट्र के श्री प्रवीण पगारे की टीम बना रही है। इस फिल्म का उपयोग देश व विदेश में अहिंसात्मक आंदोलन के प्रचार प्रसार के लिए किया जायेगा।

lxBukRed tkudkjh i=

o"k 2013&2014

d	ftyk	xkao l	y{; ifjokj	xkae bdkbZ l	lnL; l	lnL;rk jkf'k	vukt dk"k ¼fDo- e½	xkae dk"k ¼:- e½	ouHkfe d iklr iVV	iklr iVVk dk iDck	Ykfcr ou Hkfe Ikdj.k l	jktLo Hkfe d ay ikdj.k	jktLo Hkfe d gy ikdj.k dh	jktLo d yfcr ikdj.k	vkokl Hkfe d iklr
1	डिण्डौरी	60	3891	60	608	3120	70.56	3845	225	34	1153	00	00	142	45
2	मण्डला	20	1096	20	179	1270	1.69	1080	52	93	329	00	00	14	00
3	बालाघाट	50	3201	50	371	8120	37.90	5850	1178	917	533	158	742	414	310
4	कटनी	131	1151	131	226	1330	22.05	925	00	00	10	00	00	210	10
;kx	04	261	9339	261	1384	13840	132-2	11700	1455	1044	2025	158	742	780	365

1-11 & efgyk l'kfDrdj.k dk;Øe %&

ftyk	tuin ipk;r	ipk;r	Xkko
dVuh	cMokjk	15	35
fM.Mkjh	leukiyj	15	32
02	02	30	67

महिला जनप्रतिनिधि सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं साझा मंच कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है – कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के 15 पंचायतें एवं समनापुर ब्लॉक के 15 पंचायतें कुल 30 पंचायतों के 67 गांवों मे सघन रूप से मानव जीवन विकास समिति द्वारा हंगर प्रोजेक्ट के सहयोग से कार्य किया जा रहा हैं। दोनो ब्लॉक मे जागृति महिला पंच सरपंच संगठन का निर्माण किया गया है संगठन के माध्यम से पंचायत स्तर की समस्याओं को सुलझाया जा रहा है।

efgyk l'kfDrdj.k dk;Øe ls lkekftd fodkl %& क्षेत्र के आदिवासी जो पहले डरे हुए तथा सहमे रहते थे वे आज खुलकर अपने अधिकार की बात करते हैं। समनापुर ब्लॉक की श्यामबती बैगा जो कभी ग्राम सभा में भी नहीं जाती थी कार्यकर्ताओं के प्रचार–प्रसार से प्रभावित हो पंचायत चुनाव में खड़ी हो गई। हार गई लेकिन उत्साह तब भी कायम है। पंच सरपंच के पद पर जीती महिलाएँ घर से बाहर निकलकर सामाजिक शसक्तिकरण का कार्य कर रही हैं। सामाजिक बंधनों मे समाज जकड़ा हुआ है लेकिन कुछ ऐसे भी बंधन है जिसके कारण से महिलाओं का विकास भी प्रभावित होता था इसको ध्यान मे रखते हुए आज महिलाऐं घर से बाहर निकलना चाहती है वे जानती है कि बिना घर से निकले विकास नही हो सकता है। पुरानी घूंघट प्रथा को महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से दूर किया जा रहा है और महिलाऐं अब घर से बाहर निकलकर अपने अधिकारों की लड़ाई कर रही है। यहा तक की अपने अधिकारों के लिए अधिकारी कर्मचारी के मिलने स्वयं जाती है।

■ efgyk lEesyu cMokjk@leukiyj (Mini Convention) :-

iHkk flag ljiap iFkokjh ने इस सम्मेलन के उददेश्य को बताते हुए कहा कि प्रशासन के लोगों के साथ जुडाव को मजबूत करने एवं महिला मुददों को उठाने के लिए गॉवों में स्वास्थ्य, शिक्षा, की व्यवस्था को मजबूत करने एवं महिला मुददों को मजबूत करने और हमारी अन्य बहने जो अभी अभी अपने घर से बाहर नहीं निकलती उनके लिए इस मंच के माध्यम से बाहर आकर अपनी बातों को रखने के लिए इस सम्मेलन का आयोजन किया गया। ryla ckbZ सरपंच लखाखेरा ने कहा मनरेगा का भुगतान अभी नन्हवारा पंचायत में नहीं हो पाया जबकि 08 माह हो गये हैं। सडक निर्माण के कार्य को प्रभा सिंह ने कहा कि हम लोगों ने महिला हिंसा के ऊपर 15 दिन पखवाडा चलाया गया जिसमें बहुत सारे केस को तुरन्त हल कराये हैं । थाना जाकर और गॉवों में समझकर, लेकिन बहुत सारे केस हॉस्पिटल तक सिमट जाती है मारपीट करके पत्नी को इलाज कराकर घर ले आते हैं जिससे वह महिला कुछ नहीं कह पाती है। डाक्टर साहब से अनुरोध है कि ऐसे केसों को थोडा पूछताछ कर महिलाओं को सहयोग करेंगे । d".kk flag सरपंच बिलायतकलां ने कहा कि पंचायत में योजनाएँ जनपद द्वारा भेजी जाती है, लेकिन पैसा देने में देरी करती है पंचायत तो अपना काम करा लेती है लेकिन भुगतान नहीं हो पाता और जनता फिर नाराज होकर सरपंचों पंचों को गाली देती है । दूसरी बाते बहुत सारी योजनाओं को जानकारी नहीं होती और फिर जनपद द्वारा कोई योजना भेजकर कार्यवाही चाहती है इसी बीच हमें समझ में नहीं आता कि हम क्या करें जैसे पंचायत 235 भौचालय बनाना है हमें जनवरी में कहा गया मार्च तक कैसे बना पायेंगे । lkfo=h u dgk कि हम दूसरों की प्रसन्शा करते हैं जबकि हम भी चुने गये महिला हैं हमें भी बोलना आना चाहिये । उपस्थित सभी महिला जनप्रतिनिधियों

को हमारे कानून हमारे अधिकार एवं अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत विस्तार अधिनियम (पेसा) 1996 के अनुसार वितरण किया गया । यह सुनकर अच्छा लगा कि महिला अपने अधिकार के प्रति जागरूक हो रही है दूसरे को भी शिक्षा दे रही हैं । हमारा विभाग ही महिला हिंसा को रोकने के लिए बना है । हम सब मिलकर महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकेंगे । अब तो मरामर्श केन्द्र में महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, और आप लोगों का विभाग मिलकर चलायेगें ।

vkfFkd LokLF; dUn cMokjk Mk >keukuh ch0,e0vk0 ने कहा कि आप लोगों के संगठन को देखकर अच्छा लगता है कि इतनी सारी महिलाऍ एकत्र होकर किसी काम में लग जाये तो जरूर सफलता मिलेगी। रही बात कुपोशण कि इस देश की गम्भीर समस्या है इसे दूर करने के लिए सरकार अनेक प्रकार की योजनओं कैम्पस लगाकर ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं को दूसरी निगरानी के लिए रखा है । एन0आर0सी0 ब्लाक स्तर पर खोला गया। अटल बाल आरोग्य मिशन पंचायतों में चलाया जा रहा है । आप लोग इन सभी सेवाओं का लाभ गॉव वालों को दिला सकते हैं । जब कभी किसी की समस्या स्वास्थ्य संबंधी आयेगी मैं आप लोगों के साथ हूँ ।

cchrk flg LoPNrk foHkkx l e;knk vfHk;ku के तहत हर पंचायत में शौचालय बनाना है लेकिन कुछ कारण वस जनपद कार्यालय में कार्य कराने में एवं पैसों में देरी हो जाती है, लेकिन पंचायत भी कुछ कार्य योजना समय से नहीं पहुँच पाती जिसके चलते विलम्ब होता है । दोनों मिलकर कार्य को और बेहतर बना सकते हैं इसलिए एक दूसरे जुडाव आवश्यक है । *vfouk'k xxl th* ने कहा कि बहुत सारी योजनओं है जो सचिव को ट्रेनिंग के दौरान एवं प्रत्येक माह बैठक के दौरान बताई जाती है आप लोग आपसी तालमेल बनाये रखेंगे तो काम करने में आसानी होती है अभी मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 70 हजार रूपये हितग्राही को मिलेगा जिसमें 35 हजार छूट है 35 हजार तीन साल में जमा करना होता है ये सभी वर्ग के लोग जिनकी आय 10 हजार रूपये प्रति माह हो वो इस योजना का लाभ ले सकता है । जनपद सदस्य ने कहा कि आपसी संगठन मजबूत है आप लोगों ने बहुत काम भी करवाये हैं पेपरों में पढते रहते हैं लेकिन मिलने का सौभाग्य आप मिलाा संगठन में भाामिल होना चाहती हूँ और मुझसे कोई भी काम में सहयोग चाहेंगे तो जरूर में आप लोगों का साथ दूँगी । *fuHk; th* सचिव मानव जीवन विकास समिति ने कहा कि जागृति महिला पंच सरपंच संगठन सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई क्योंकि बहुत सारी चुनौतियॉ से जुझते हुए अपनी संगठन को एक पहचान दी इस संगठन कि छवी ब्लाक तक रह कर जिला और राज्य में बनी है मैं आगे चाहूँगा की जो महिलाऍ अपने घर से अभी भी बाहर नहीं आना चाहती उनके लिए यह अवसर हो अपनी बातों को रखने का आगे बढने का इस अवसर में एक जुट होकर अच्छे काम करें और अपना नाम रोशन करें ।

d|ik"k.k vfHk;ku

कुपोषण के सम्बन्ध मे जागरूकता रथ के माध्यम से कुपोषण को जाने पहचाने व बचे का संदेश देकर लोगों को जागृत किया गया। प्रचार–प्रसार पोस्टर पम्पलेट के माध्यम से एवं गांव के लोगों से सम्पर्क कर तथा आंगनवाड़ी और आरोग्य केन्द्र मे जानकारी दी गई । तथा यह भी बताया गया कि कुपोषण को कैसे पहचाने तथा कैसे बचे।

इस अभियान को सफल बनाने मे महिला पंच सरपंच संगठन की बहनों का सहयोग सराहनीय प्राप्त हुआ। अभियान के दौरान कार्यकर्ता साथी एवं संगठन की बहनों ने पोस्टर पम्पलेट के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया है। अभियान के दौरान महिला एवं पुरूषों सहित 1175 लोगों तक यह जानकारी पहुंचायी गई।

m)s'; & d|ik"k.k D;k g] d l gkrk g] bl l d l cpk tk ldrk gA

vfHk;ku dk ek/;e – पम्पलेट, बैनर, पोस्टर के माध्यम से तथा साउण्ड सिस्टम से एलाउंस कर कुपोषण की जानकारी से अवगत कराया गया।

d|ik'k.k l iHkkfor dku gkr g &

dekd	uke	mez	Lkek/kku
1	बच्चे	0–5	दूध, दलिया, अण्डा, फल आदि ।
2	गर्भवती महिलाऍ	18–40	हरी पत्तेदार सब्जी, दाल, रोटी आदि ।

3	किशोरी बालिकाऍं	10–18	दूध, घी, देशी कन्दमूल, गाजर, पपीत, आदि ।

उक्त विन्दुओं को देखते हुए कुपोषण के खिलाफ अभियान करने की आवश्यकता महसूस हुयी। ग्रामीण परिवेश में कुपोषण एक ऐसे चक्र के रूप में देखा जा रहा है जो गरीबी को और बढाने का काम कर रहा है। क्योंकि कुपोषण से बीमार रहना या बार बार बीमार पडना और बीमारी से कार्यक्षमता में कमी आना और कार्यक्षमता में कमी आने से आय प्रभावित होना। इस प्रकार एक गरीब व्यक्ति गरीब ही बने रहने पर मजबूर हो जाता है।

,-,u-,e- @vkxuokMh@vk’kk dk;ZdrkZvk dh ftEeknkjh ,o vf/kdkj & स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जाती है कि गांव की गर्भवती एवं धात्री माताओं बहनों को शासन की सुविधाओं का लाभ दिलाये तथा समय–समय पर टीके लगवाये और पोषण आहार भी समय पर एवं भरपूर दिया जाये। कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती करायें जहां की बच्चों को निःशुल्क दवाई होती है।

[kk| lqj{kk vfHk;ku@f'kfoj

[kk| lqj{kk dk mn~ns’; &

- खाद्य सुरक्षा कानून की जानकारी देना।
- क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा के विरूद्ध महौल तैयार हो सके ताकि सरकारी राशन दुकान पर जो भ्रष्टाचार हो रहा है उस पर रोक लग सके।
- खाद्य सुरक्षा कानून क्या है एवं इसमे कौन–कौन सी बातें शामिल है इसकी जानकारी देना।
- वह गरीब एवं वंचित समुदाय जो गरीबी रेखा सर्वे सूची से छूट गया है उसको भी इस योजना अन्तर्गत लाभ मिलेगा।
- खाद्य सुरक्षा का मतलब सिर्फ भर पेट भोजन मिलना ही नही बल्कि इसका रोजगार, पोषण, सेहत और शिक्षा से धनिष्ट सम्बन्ध है यह जानकारी लोगों तक पहुंचायी गई।

Eknns

- पात्र व्यक्ति का नाम गरीबी रेखा सूची मे नही है कब तक जुड़ेगा।
- बी.पी.एल. राशन कार्ड नही होने से राशन नही मिलता। जबकि हम भी गरीब है। क्या हमारी सुरक्षा होगी।
- रूढ़िवादिता व असमानता अभी भी कायम।
- अजीविका व रोजगार का अभाव।
- खाद्य सुरक्षा मे क्या मिलेगा।
- क्या वास्तव मे गरीब वंचित समुदाय के लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा।
- राशन दुकान की व्यवस्था मे सुधार होनी चाहिए।
- बी.पी.एल. सूची तैयार करने एवं पात्रों को चयन करने का अधिकार ग्राम पंचायत को दिया जाये।

miyfC/k;k

- लोगों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम की जानकारी मिली।
- महिला एवं पुरूषों मे जागरूकता बढ़ी।
- वंचित एवं दलित भी अभियान के दौरान अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई।
- अधिकारों के प्रति आवाज उठाने के लिए एक महौल तैयार हुआ।
- सरकारी राशन दुकान की निगरानी गांव के जागरूक लोगों द्वारा किया जायेगा।

1-12& ehfM;k l okn %&

m)s'; &

- महिला जनप्रतिनिधियों की भूमिका को सशक्त करना।
- कुपोषण एवं खाद्य सुरक्षा विषय पर चर्चा।
- महिलाओं के 50 प्रतिशत आरक्षण।
- शासकीय योजनाओं का सही क्रियान्वयन।
- पंचायत स्तर की समस्याओं को हल कराने मे पहल करना।

आप जनप्रतिनिधि है पंचायत मे क्या सामाजिक बदलाव का काम किया है। मध्यान्ह भोजन एवं आंगनवाड़ी मे पोषण आहार का निरीक्षण आपने संगठन के माध्यम से किया है। यदि नही किया ग तो संगठन के माध्यम से निगरानी करने का काम करें जहां भी मीडिया की जरूरत हो बुला लें सहयोग करने के लिए तैयार है।

पत्रकारों द्वारा निकलकर आया की महिला सरपंचों को अपना अधिकार पता नही है फिर वह सरपंच कैसे बन गई है उने तो शासन की तरफ से 50 फीसदी आरक्षण प्राप्त है फिर उपयोग क्यों नही कर रही है। अभियान के तहत क्या महिलाएं आगे आयेंगी।

माधोपुर की पंच बिमला बाई ने बताया कि कुपोषण को हटाने के लिए तथा मध्यान्ह भोजन मे सुधार लाने के लिए धात्री एवं गर्भवती माताओं को टीके की जानकारी से अवगत कराना तथा अन्य छोटी–छोटी जानकारी जिससे कुपोषण से बचा जा सकता है।

दूसरा यह है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 की जानकारी से सभी को अवगत कराया जाय। खाद्य सुरक्षा क्या है इसमे से क्या लाभ मिलेगा इस जानकारी से सभी को अवगत कराया जाय।

शासकीय योजनाओं के प्रचार प्रसार के सम्बन्ध मे। बताया गया कि सरकार द्वारा जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत तक शासन की सभी योजनाओं को पहुंचा दिया जाता है यह होता है कि सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी उस योजना को अपने पास छिपाये रखते है लोगों तक नही पहुचाते है जिस कारण से योजना का लाभ लेने से लोग वंचित रह जाते है। मीडिया साथी क्या आपने कार्यवाही किया है तो उसकी पावती रखे है नही तो आप र्कावाही करें लेकिन उसकी पावती आवश्य लें जिससे आगे कार्यवाही करने सुविधा होगी। आप संगठन के माध्यम से निगरानी करते रहे जहां कही भी मीडिया की जरूरत होती है हम आपका सहयोग करेंगे।

10- & vU; xfrfof/k;k %&

1-1 & bdkukfed xfrfof/k;k & आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र मे हाथ से कपड़ा बनाने का काम किया जा रहा है । इससे लोगों को उद्योगों से जोड़ा गया तथा बाजार उपलब्ध कराया गया जिससे बनाये जा रहे कपड़ा आसानी से बेचा जा सके। मानव जीवन विकास समिति ने विगत वर्षो से लोगों को आजीविका से जोड़ने का प्रयास कर रही है । लोगों को घर पर रोजगार

उपलब्ध कराने का प्रयास संस्था द्वारा किया जा रहा है।

1-2 & e/;in’k tu vfHk;ku ifj"kn ftyk dVuh ls tMko & o"k 2012–13 मे मानव जीवन विकास समिति का जुड़ाव हुआ इसके बाद समिति को जन अभियान परिषद द्वारा गठित प्रस्फुटन समितियों के क्षमता वर्द्धन कार्य को प्रगति देने एवं प्रेरक के रूप मे प्रस्फुटन समितियों के साथ सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की सोंच मे बदलाव लाया जा रहा है।

dk;l;ktuk & uk fcUn &

1. शिक्षा – 150 बच्चों को शाला मे प्रवेश दिलाया ।
2. स्वास्थ्य – गॉव में 06 माह में एक बार स्वास्थ्य शिविर, बच्चों का टीकाकरण –कम से कम 10 बच्चे
3. नशामुक्ति – शराब मुक्ति, तम्बाकू मुक्ति, गुटखा मुक्ति, गांजा मुक्ति, भांग मुक्ति, अफीम मुक्ति।
4. हरियाली – पर्यावरण संरक्षण, पौधों का संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण हेतु संगोष्ठी, पॉलीथीन मुक्त ग्राम ।
5. जल संरक्षण – तालाबों का निर्माण, बोरी बंधान, कुऑओं का गहरीकरण ।
6. ऊर्जा संरक्षण – सी0एफ0सी0 गॉव बनाना । बॉयोगैस – गोबर गैस की स्थापना हो ।
7. समग्र स्वच्छता एवं साफ–सफाई सहप्रतिशत शौचालय युक्त गॉव
8. कृषि को लाभकारी बनाना– जैविक खेती। रासायनिक मुक्त कृषि हो, जैविक कृषि हो ।
9. कुपोषण एवं परिवार नियोजन ।

अन्य नवाचार के माध्यम से महिला हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या पर भी गांव मे रैली, बैठक, संगोंष्ठी, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागृत करने का काम किया जाता है।

1-3& foyst VfjTe ¼xfjek ifj;kstuk½ &¼ ,d lkekftd vkj lkLd`frd vknku&inku½

उद्धेश्यः– व्यापक उद्धेश्य मजबूत बनाने और सामाजिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान और आर्थिक सहायता के माध्यम से लोगों के गरीबी को दूर करना ।

विशिष्ट उद्धेश्य – आर्थिक सेवा लागत और ग्राम विकास निधि के रूप में ग्रामीणों को आर्थिक सहायता यात्रा लागत की कुल लागत का 8–10 प्रतिशत स्थानीय बाजार के उत्पादों, दोनों कृषि और आगंतुकों के साथ जोडने के द्वारा गैर–कृषि को बढावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है ।

- राजनीतिक सशक्तिकरण ग्रामीणों को जुटाने और ग्रामीणों के बीच के आयोजन की प्रक्रिया को एक आदर्श गॉव बनाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।
- समाजिक और सांस्कृतिक सीखने और ग्रामीणों और आगंतुकों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की बातचीत चर्चा और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की गतिविधियों के माध्यम से साझा करने के दो तरीके हैं ग्रामीणों और आगंतुकों को बेहतर समझ है और सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के क्रम में और मतभेद की स्वीकृति और सम्मान में वृद्धि कर सकते हैं ।

1-4 & e/kqeD[kh ikyu iz’k{k.k & मानव जीवन विकास समिति एवं हाई–टेक नेचुरल प्रोडक्ट (इण्डिया) लिमिटेड द्वारा नेशनल बी बोर्ड कृषि एवं सहकारी विभाग कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन मानव जीवन विकास समिति बिजौरी (मझगवां), जिला कटनी मे 28 और 29 जनवरी 2014 को किया जा रहा है। माननीय् कलेक्टर महोदय श्री अशोक कुमार सिंह, डिप्टी डायरेक्टर कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, डायरेक्टर बागवानी विभाग से श्री एस. एम. पटेल, श्री निर्भय सिंह (सचिव MJVS), श्री एस0आर0 शर्मा (वैज्ञानिक के0वी0 के0), श्री प्रदीप मिश्रा (विपणन अधिकारी), श्री सभा

बहादुर सिंह (वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षक), श्री देवप्रकाश पाठक (प्रबंधन अधिकारी एवं प्रशिक्षक), श्री साधुराम शर्मा (प्रशिक्षक), श्री कुँवर पाल सिंह (प्रशिक्षक) की उपस्थिति मे दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कलेक्टर महोदय जी अपने उद्‌बोधन मे मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए कहे है उसमे जो भी किसान की प्राथमिक खर्च आती है उसमे सहयोग देने को भी कहा गया है। मधु उत्पादन तथा बहुत सी फसलों मे परागण करना मधुमक्खियों के दो मुख्य योगदान है। मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर पर–परागण द्वारा फसलों की पैदावार व मधु उत्पादन बढ़ाकर किसानों व मधुमक्खी पालकों की आमदनी को बढ़ाना है। सभी अतिथियों द्वारा अपने – अपने उद्‌गार व्यक्त किये गये। उत्तरा बाई जैविक ग्राम नैगवां कटनी से है जो कि जैविक कृषि पर किसानों को प्रोत्साहित किया गया, कम लागत से अधिक उत्पादन किया जा सकता है। कार्यक्रम मे मानव जीवन विकास समिति के कार्यकर्ता अभय कुमार पटेल, रामकिशोर रैदास, रवि चौधरी, दयाशंकर यादव, विनोद कुमार का सराहनीय योगदान रहा है।

1-5 & ljdkjh ;kstukvksa dk lgh fØ;kUo;u & महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, पेंशन–वृद्धा, विकलांग,सामाजिक सुरक्षा पेंशन। लाडली लक्ष्मी योजना, बाल हृदय उपचार योजना, दीनदयाल अन्त्योदय उपचार योजना आदि योजनाओं का सभी को लाभ मिल सके इस प्रकार से गांव के लोगों को समय–समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे पात्र हितग्राही को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके।

1-6 & ijLij lg;kx leg ,oa Lolgk;rk leg dh tkudkjh %& कार्यक्षेत्र के गांव में 195 स्व–सहायता समूहों का संचालन किया गया। 45 समूहों के बैंक में खाते खुलवाये गये। परियोजना क्षेत्र के ग्रामों मे समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण के तहत संगठनात्मक गतिविधि के साथ परस्पर सहयोग समूह एवं स्वसहायता समूह का गठन कर बचत और बैंको से जोड़कर सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही ग्राम स्तर पर साहूकारो से मुक्ति मिली है। समूह के सदस्यों के अलावा अन्य सदस्यों को भी आसानी से ऋण प्राप्त करने मे सुविधा हो रही हैं।

jpukRed dk;Z & स्व–सहायता समूहों के माध्यम से संस्था ने रचनात्मक कार्यो द्वारा लोगों को आजीविका के साधन उपलब्ध करवाने का प्रयास किया तथा कृषि में सहायता कर खाद्यान्न सुरक्षा बढ़ाने में सहयोग किया। स्व–सहायता समूहो के माध्यम से दोना पत्तल बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे समूहों द्वारा जंगल से पत्तों की व्यवस्था कर मशीन से आसानी से दोना और पत्तल का निर्माण किया जा रहा है जिससे बहुतों की आजीविका इसी स`चल रहा है।

1-7& lkyj Mªk;j ,oa lkyj dqdj & स्विटजरलैण्ड से आये डॉ0 ऐलिक ने मानव जीवन विकास समिति मे रहकर कटनी जिले के सभी 6 ब्लॉक एवं जिले को मिलाकर कुल 7 सोलर ड्रायर एवं सोलर कुकर का निर्माण कर सभी ब्लॉकों मे लगाये प्रदर्शनी भी लगाकर बताया गया कि सोलर ड्रायर से फल–फूल एवं अन्य सुखाने की वस्तुओं को सोलर ड्रायर के माध्यम से सुखाने पर सीधे सूर्य की किरणे नही पड़ती है इसका मतलब यह हुआ कि सुखाने की वस्तुओं का वास्तविक तत्व बना रहता है ।

lkyj dqdj का उपयोग से तात्पर्य ऊर्जा एवं लकड़ी की बचत करना इससे सीधे सूर्य की रोशनी से भोजन पकाया जाता है । इन दोनों चीजों का प्रक्टिकल कर लोगों को बताया गया जिसे अन्य लोग भी उपयोग करने के इच्छुक हो गये।

1-8 %& jk"Vh; io %& हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी एवं 15 अगस्त को बड़े धूमधाम से समिति प्रांगण मे मनाया गया। जिसमे गांव के आस पास के लोगों एवं बच्चों तथा स्कूल के शिक्षकों की उपस्थिति भी रही है। बच्चों के उत्साह वर्धन के लिए गीत गाने एवं नाटक जैसे कार्यक्रकों का भी आयोजन किया गया बच्चों का उत्साह बना रहे इसके लिए बच्चों को पानी, पेन, कम्पास आदि वस्तुओं को देकर प्रोत्साहित भी किया गया।

राष्ट्रीय पर्व मनाये जाने का उद्धेश्य समिति के साथी एवं उपस्थित शिक्षक तथा बुजुर्गो के द्वारा बताया गया यह त्यौहार हमारे देश के गणतंत्र होने तथा स्वतंत्रता मिलने के उपलक्ष्य मे इस दिन को बड़े धम धाम से मनाया जाता है।

1-9 & jk"Vh; lsok ;kstuk dk;ZØe & शासकीय तिलक महाविद्यालय महिला इकाई का 07 दिवसीय विशेष शिविर दिनॉक 13/01/2014 से 19/01/2014 तक मानव जीवन विकास समिति ग्राम बिजौरी पोस्ट मझगवॉ जिला कटनी में डॉ. माधुरी गर्ग प्रभारी एन0एस0एस0 महिला कार्यक्रम अधिकारी के कुशल निर्देशन में लगा गया है । कार्यक्रम में शिविर उद्घाटन दिनॉक 13/01/2014 को प्रचार्य डॉ. के0पी0 शुक्ल, डॉ. पदमा त्रिपाठी, डॉ. चित्रा प्रभात, डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी, श्री निर्भय सिंह, रवि चौधरी श्री दयाशंकर यादव श्री अभय कुमार पटेल, श्री रामकिशोर रैदास, विनोद पाल, तरूनेश कर्पूर एवं उमेश का योगदान रहा । शिविर का उददेश्य स्वास्थ्य, जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य है । इस कैम्पस में 50 छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया है, जिनका मुख्य उददेश्य है स्वास्थ्य की रक्षा कैम्पस की सभी छात्राओं ने 19/01/2014 दिन रविवार को ग्राम बिजौरी में सभी को पल्स पोलियों की जानकारी दी एवं पोलियो बूथ में जाकर बच्चों को अपने हाथों से दो बून्द जिन्दगी की यानी पल्स पोलियो की दवा पिलाया।

dk;Zdzeksa dh tkudkfj;k
o"kZ 2013&2014

d-	fnukad	dk;Zde dk uke	Hkkxhnkjh	miyfC/k
1	05.11.2013	मुखिया बैठक –11	2300	शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं वन अधिकार अधिनियम के दावा प्रपत्र भरने की जानकारी ।
2	12.12.2013	पंच सरपंच संगठन बैठक	80	पंचायतीराज अधिनियम की जानकारी एवं ग्रामसभा से पास किये गये प्रस्तावों के फॉलोअप पर चर्चाऍ ।
3	8–26/12/2013	कुपोषण अभियान	1098	बडवारा ब्लाक के गॉवों, पंचायतों में कुपोषण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना एवं सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी देना ।
4	9–23/12/2013	कुपोषण अभियान	1204	समनापुर ब्लाक के गॉवों, पंचायतों में कुपोषण के प्रति लोगों में जागरूकता लाना एवं सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं की जानकारी देना ।
5	24 से 28 दिस. 2013	खाद्य सुरक्षा अभियान/शिविर	2653	गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को खाद्य सुरक्षा की गारण्टी का प्रचार प्रसार करना ।
6	23.12.2013	पत्रकारवार्ता	12	क्षेत्र में हो रहे समिति के कार्यो को आम जनता तक पहुॅचाने के लिए महिला जनप्रतिनिधियों के साथ जिला स्तर पर मिडिया के साथ संवाद ।
7	26.12.2013	पत्रकारवार्ता	32	क्षेत्र में हो रहे समिति के कार्यो को आम जनता तक पहुॅचाने के लिए महिला

				जनप्रतिनिधियों के साथ जिला स्तर पर मिडिया के साथ संवाद ।
8	12.02.2014	जनसुनवाई	280	वन अधिकार अधिनियम के तहत लगे दावों एवं मनरेगा के काम को लेकर कलेक्टर 9महोदय के साथ संवाद किया गया, जिससे वन अधिकार अधिनियम में कार्यवाही एवं मनरेगा मे काम मिला।
9	8.03.2014	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	265	महिला केन्द्रित चर्चाओं को आगे बढाते हुए सुरक्षा एवं महिला अधिकार, महिला हिंसा कानून की जानकारी
10	10.03.2014	मुखिया बैठक	180	शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं वन अधिकार अधिनियम के दावा प्रपत्र भरने की जानकारी ।
11	13.03.2014	मुखिया बैठक	360	शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं वन अधिकार अधिनियम के दावा प्रपत्र भरने की जानकारी ।
12	15.03.2014	आर्थिक कार्यक्रम	240	आर्थिक गतिविधि की जानकारी एवं जंगल आधारित उत्पादनों के संग्रहण के सम्बन्ध मे जानकारी ।
13	16.03.2013	महिला सम्मेलन	110	बडवारा ब्लाक में समस्त महिला पंच सरपंचों के साथ मिलकर पंचायतों के काम को आगे बढाना ।
14	20.03.2013	महिला सम्मेलन	106	समनापुर ब्लाक में समस्त महिला पंच सरपंचों के साथ मिलकर पंचायतों के काम को आगे बढाना ।

निर्भय सिंह
सचिव
मानव जीवन विकास समिति